कुछ लोग ज़्यादा ठोकरें खाते हैं

हम सभी जानते हैं कि कुछ लोगों के साथ सामान्य से ज़्यादा दुर्घटनाएं होती हैं। इन्हें आप बदकिस्मत कहें या दुर्घटना ज़ोखिमग्रस्त मगर प्रायः कुछ लोग इस श्रेणी में होते हैं। शायद आप भी जानना चाहेंगे कि क्यों कुछ लोग इस हास्यासाद या त्रासद स्थिति में बार-बार देखे जाते हैं। वैसे कई बार ऐसा भी लगता है कि यह सब हमारी कल्पना मात्र है। मगर नेदरलैण्ड्स के एक मेडिकल सेंटर के एलेन विसर व उनके साथियों द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि यह कोरी कल्पना नहीं है, सचमुच ऐसे लोग होते हैं जिनके साथ हादसे कुछ ज़्यादा ही होते हैं।

विसर और उनके साथियों ने ऐसे 79 अध्ययनों का विश्लेषण किया जिनमें यह देखा गया था कि लोगों की दुर्घनाग्रस्त होने की आंशका कितनी होती है। 15 देशों की आम आबादी के 1 लाख 47 हजार लोगों पर किए गए इन अध्ययनों के विश्लेषण के आधार पर विसर व साथियों ने बताया है कि वास्तव में कुछ लोगों की प्रवृत्ति दुर्घटना की होती है।

जैसे विश्लेषण से पता चला कि प्रत्येक 29 में से एक व्यक्ति ऐसा होता है जो औसत आबादी की अपेक्षा 50 प्रतिशत अधिक दुर्घटना का शिकार होता है। अपने विश्लेषण के निष्कर्ष *एक्सीडेंट एनालिसिस एण्ड प्रिवेंशन* नामक पत्रिका में

प्रकाशित करते हुए विसर ने स्पष्ट किया है कि उनके अध्ययन से यह पता नहीं चलता कि आबादी में किस तरह के लोग ज़्यादा जोखिमग्रस्त हैं। इससे सिर्फ इतना पता चलता है कि ऐसे लोग होते हैं।

पहले किए गए अध्ययनों से पता चला था कि बच्चे और तेल के कुओं पर काम करने वाले तथा लड़ाकू हवाई जहाज़ों के पायलटों के साथ ऐसा होता है। मगर विसर का ख्याल है कि बात व्यवसाय से नहीं जुड़ी है, बल्कि ऐसे लोगों के व्यक्तित्व में कुछ ऐसी बात होती है जो उन्हें दुर्घटना के लिए तैयार कर देती है। ***(स्रोत फीचर्स)***